Dainik Bhaskar (Indore), 22th July 2026, Page – 02

EDUCATION

स्टूडेंट्स को रिसर्च लैब, मेंटरशिप और फंडिंग उपलब्ध करा रहे

IIT और SGSITS स्टार्टअप को इसरो तक पहुंचाने के लिए कर रहे काम

सिटी रिपोर्टर • इंदौर

शहर में स्पेस स्टार्टअप का इकोसिस्टम तैयार हो रहा

हैदराबाद की कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च कर यह साबित कर दिया कि अब अंतरिक्ष तक पहुंच केवल सरकारी संस्थाओं की नहीं रही। इस सफलता ने देशभर के युवाओं और स्टार्टअप के लिए नए अवसर खोल दिए हैं। इसका असर इंदौर में भी दिखाई देने लगा है। यहां आईआईटी इंदौर और एसजीएसआईटीएस संस्थान भविष्य के स्पेस स्टार्टअप तैयार करने की दिशा में काम कर रहे हैं। यहां स्टूडेंट्स के प्रोजेक्ट को तैयार कराने से लेकर फंडिंग और मेंटरशिप दिलाने का काम कर रहे हैं। स्कूलों के स्टूडेंट्स को भी इससे जोड़ रहे हैं।

आईआईटी इंदौर ने भी अपने इनोवेशन मॉडल को स्पेस टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ाया है। संस्थान का एसीई फाउंडेशन स्टूडेंट्स और स्टार्टअप को आइडिया से प्रोटोटाइप, मेंटरशिप, निवेशकों से संपर्क और बिजनेस डेवलपमेंट में मदद कर रहा है। आईआईटी के ही दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के तहत स्टार्टअप एंड इनोवेशन सेंटर में स्पेस टेक्नोलॉजी को प्राथमिक फोकस क्षेत्रों में शामिल किया गया है। यहां स्पेस, डिफेंस और डीप-टेक स्टार्टअप को रिसर्च लैब, एक्सपर्ट की गाइडेंस और इंडस्ट्रीज से जुड़ने का अवसर दिया जा रहा है। आईआईटी इंदौर में उपलब्ध 3डी प्रिंटिंग, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, एम्बेडेड सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, कंट्रोल सिस्टम और सेमीकंडक्टर डिजाइन जैसी सुविधाएं भविष्य के स्पेस स्टार्टअप के लिए मजबूत आधार तैयार कर रही हैं। एसजीएसआईटीएस का सेंटर फॉर रिमोट सेंसिंग एंड सैटेलाइट टेक्नोलॉजी सेंटर नैनो सैटेलाइट और परिसर में सैटेलाइट अर्थ स्टेशन जैसे प्रोजेक्ट पर काम कर चुका है। संस्थान शहर के स्कूलों के साथ एमओयू करके नैनो सैटेलाइट, एआई, रोबोटिक्स और रिसर्च के लिए ट्रेनिंग दे रहा है। संस्थान के डायरेक्टर प्रो नीतेश पुरोहित ने बताया कि इंदौर से भी स्टार्टअप इसरो तक पहुंचे इसके लिए हम हर तरह की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं।

स्टूडेंट्स और स्टार्टअप ऐसे पहुंचे सकते हैं इसरो तक

एसजीएसआईटीएस के सेंटर फॉर रिमोट सेंसिंग एंड सैटेलाइट टेक्नोलॉजी के पूर्व संयोजक प्रो. डॉ. सिद्धार्थ सोनी ने बताया कि स्कूल के स्टूडेंट्स इसरो के YUVIKA प्रोग्राम में आवेदन करे सकते हैं। कॉलेज के स्टूडेंट्स स्टार्ट प्रोग्राम के तहत इसमें इसरो के एक्सपर्ट ऑनलाइन ट्रेनिंग और प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका देते हैं। स्टार्टअप को स्टार्टअप इंडिया पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। प्राइवेट लिमिटेड या एलएलपी भी कराना होगा। इसके बाद IN-SPACe वेबसाइट पर स्टार्टअप को रजिस्टर्ड करना होगा और डीपीआर जमा करनी होगी। अनुमति मिलने के बाद इसरो की सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं।